लापरवाही | परीक्षा देने वाले छात्र को रिकॉर्ड में किया गायब, सीएम हेल्पलाइन पर भी भ्रामक जवाब से उठा बवाल

एपीएसयू की बड़ी लापरवाही या सुनियोजित अनदेखी

नवभारत, धनपुरी। मध्यप्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। इस बार मामला अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से जुड़ा है, जहां एक छात्र की मेहनत, उसके दस्तावेज और कॉलेज रिकॉर्ड सब कुछ मौजूद होने के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उसे ऐसा झटका दिया है, जिसने उसके भविष्य पर गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। यह मामला केवल एक तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त लापरवाही, जवाबदेही की कमी और संवेदनहीन रवैये की भयावह तस्वीर पेश करता है।

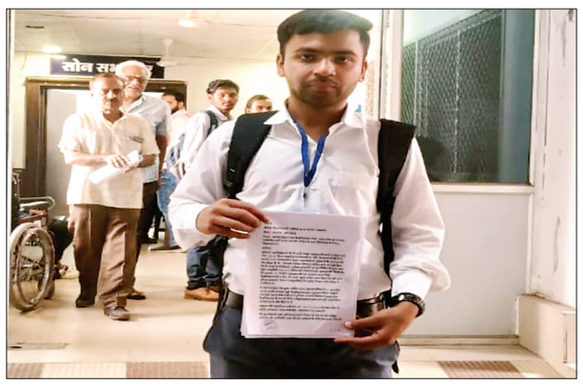

धनपुरी निवासी आयुष अग्रवाल, जो शासकीय नेहरू महाविद्यालय बुढार का छात्र है, ने अगस्त 2024 में बी.ए. प्रथम वर्ष की परीक्षा विधिवत दी थी। छात्र के पास परीक्षा में उपस्थित होने के पुख्ता प्रमाण के तौर पर उपस्थिति पत्रक और संबंधित प्रश्नपत्र मौजूद हैं। इसके बावजूद विश्वविद्यालय ने उसकी अंकसूची में 'टूरिज्म ट्रांसपोर्ट' और 'इंटर्नशिप' विषयों में अनुपस्थित दर्शाते हुए उसे असफल घोषित कर दिया। हैरानी की बात यह है कि जिन परीक्षाओं में छात्र शामिल हुआ, जिनके रिकॉर्ड कॉलेज में दर्ज हैं, उन्हीं विषयों में उसे सिस्टम से गायब कर दिया गया। मामले ने तब और गंभीर रूप ले लिया जब छात्र ने न्याय की उम्मीद में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर शिकायत दर्ज कराई। उम्मीद थी कि विश्वविद्यालय अपनी गलती सुधारते हुए छात्र को राहत देगा, लेकिन आरोप है कि क्क्र प्रशासन ने अपनी जिम्मेदारी स्वीकारने के बजाय पोर्टल पर यह जवाब दर्ज करा दिया कि छात्र परीक्षा में उपस्थित ही नहीं हुआ था। सवाल यह है कि जब छात्र के पास उपस्थिति के दस्तावेज हैं और कॉलेज रिकॉर्ड उसकी परीक्षा उपस्थिति को प्रमाणित कर रहे हैं, तो विश्वविद्यालय ने ऐसा जवाब किस आधार पर दिया? क्या यह अपनी गलती छुपाने का प्रयास था या शिकायत को दबाने की कोशिश। इस पूरे मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू कॉलेज लेजर में दर्ज अंक हैं। नेहरू कॉलेज बुढार के आधिकारिक रिकॉर्ड में आयुष अग्रवाल को इंटर्नशिप विषय में 65 अंक प्राप्त होना दर्ज है, लेकिन जब यही परिणाम विश्वविद्यालय की मार्कशीट में पहुंचा तो अंक रहस्यमय तरीके से शून्य में बदल गए। यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर कॉलेज से विश्वविद्यालय तक जाते-जाते अंक कहां गायब हो गए? क्या यह तकनीकी गड़बड़ी थी, डेटा एंट्री की लापरवाही या फिर किसी स्तर पर गंभीर प्रशासनिक चूक। छात्र का आरोप है कि जब वह अपनी समस्या लेकर विश्वविद्यालय पहुंचा, तो समाधान देने के बजाय उसे अपमानजनक व्यवहार का सामना करना पड़ा। कथित तौर पर अधिकारियों ने उससे साफ शब्दों में कह दिया कि अब उसकी कॉपी नहीं मिल सकती और उसे फिर से प्रथम वर्ष में प्रवेश लेना होगा। यदि यह आरोप सही है, तो यह न केवल एक छात्र के भविष्य के प्रति असंवेदनशीलता है बल्कि यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय प्रशासन अपनी गलती सुधारने के बजाय छात्र पर ही उसका बोझ डालना चाहता है। इस मामले ने एपीएसकी कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि छात्र वास्तव में असफल था, तो उसे अगले वर्षों में प्रवेश कैसे मिला। उसकी फीस और रजिस्ट्रेशन क्यों स्वीकार किए गए। जब कॉलेज रिकॉर्ड में अंक दर्ज हैं, तो विश्वविद्यालय के डिजिटल सिस्टम में वे शून्य कैसे हो गए और सबसे बड़ा सवाल—क्या एक प्रशासनिक गलती की कीमत एक छात्र को अपने तीन साल गंवाकर चुकानी पड़ेगी। विश्वविद्यालय से निराश होकर आयुष अग्रवाल ने अब कलेक्टर शहडोल और रीवा संभाग के कमिश्नर को लिखित शिकायत सौंपते हुए न्याय की गुहार लगाई है। छात्र ने मांग की है कि उसकी अंकसूची तत्काल सुधारी जाए, उसे तृतीय वर्ष की परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाए और इस पूरे प्रकरण में जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। यह मामला केवल एक छात्र की परेशानी नहीं है, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। एक ओर सरकार 'डिजिटल इंडिया' और पारदर्शी शिक्षा व्यवस्था के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी ओर एक छात्र अपने ही परीक्षा परिणाम को साबित करने के लिए दफ्तर-दफ्तर भटकने को मजबूर है। यदि समय रहते इस मामले में निष्पक्ष जांच और सुधारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो यह न केवल एक प्रतिभाशाली छात्र के भविष्य को अंधकार में धकेलेगा बल्कि विश्वविद्यालय व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी गहरा आघात होगा। अब देखना यह है कि ओपीएस इस मामले में अपनी जिम्मेदारी स्वीकार कर छात्र को न्याय देता है या फिर शिक्षा व्यवस्था की यह चूक एक और युवा के सपनों को कुचल देती है।

जैविक खेती अपनाकर किसान घटाएं लागत, बढ़ाएं उत्पादन : डॉ. सिंह

▶ पं. शम्भूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ जैविक खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

नवभारत,शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में कृषि विज्ञान केन्द्र शहडोल द्वारा जैविक खेती विषय पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र शहडोल के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. मृगेन्द्र सिंह की उपस्थिति में विद्यार्थियों को जैविक खेती के महत्व एवं लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई।

जैविक खेती से बढ़ती है मृदा उर्वरता और किसानों की आय

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. मृगेंद्र सिंह ने कहा कि जैविक खेती की पद्धति रासायनिक खेती की तुलना में मृदा की उर्वरता बनाए रखने एवं कृषकों की उत्पादकता बढ़ाने में अधिक सहायक है। विशेष रूप से वर्षा आधारित क्षेत्रों में जैविक खेती किसानों के लिए अधिक लाभकारी सिद्ध हो रही है। उन्होंने बताया कि जैविक खेती से उत्पादन लागत कम होती है तथा किसानों की आय में वृद्धि होती है।कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. बृजकिशोर प्रजापति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि है। बढ़ती जनसंख्या के कारण खाद्य उत्पादन बढ़ाने की होड़ में रासायनिक खादों एवं जहरीले कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग किया जा रहा है, जिससे पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो रहा है। इसके परिणामस्वरूप भूमि की उर्वरा शक्ति घट रही है, वातावरण प्रदूषित हो रहा है तथा मानव स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में जैविक खेती इन समस्याओं का प्रभावी विकल्प बनकर उभरी है। जैविक खेती अपनाने से उत्पादन लागत में 20 से 25 प्रतिशत तक कमी आती है तथा भूमि की गुणवत्ता, उर्वरता और कार्बन अवशेष की मात्रा में वृद्धि होती है। इससे किसानों को स्वस्थ एवं गुणवत्तायुक्त फसल प्राप्त होती है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई किसानों के लिए लाभकारी

प्रशिक्षण में किसानों को ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई के लाभों की भी जानकारी दी गई। वैज्ञानिकों ने बताया कि मई-जून माह में मिट्टी पलटने वाले हल से खेतों की गहरी जुताई करने से हानिकारक कीट एवं रोगजनक नष्ट होते हैं, खरपतवार नियंत्रण में मदद मिलती है तथा मिट्टी की जलधारण क्षमता बढ़ती है। इससे फसलों की जड़ों का विकास बेहतर होता है और खेती की लागत कम होने के साथ उपज में औसतन 10 प्रतिशत तक वृद्धि होती है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं कृषकों ने जैविक खेती, मृदा संरक्षण एवं आधुनिक कृषि तकनीकों से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर वैज्ञानिकों से संवाद भी किया।

ग्राम झीकबिजुरी (खरतोरा) में 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र का हुआ भूमिपूजन

▶ विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ होने से ग्रामीणों को मिलेगा बेहतर लाभ

नवभारत,शहडोल। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड शहडोल के अंतर्गत ग्राम झीकबिजुरी (खरतोरा) में 33ध्11 के.व्ही. उपकेंद्र निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कार्यक्रम रविवार को संपन्न हुआ। लगभग 280 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस उपकेंद्र से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ ग्रामीणों को बेहतर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयसिंह मरावी ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में जनपद अध्यक्ष उमा धुर्वे, जनपद उपाध्यक्ष हर्ष प्रताप सिंह, जिला पंचायत सदस्य रेखा पाव, जनपद सदस्य अमृतलाल सिंह एवं सरपंच उषा सिंह मौजूद रहीं।भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने कहा कि विद्युत अधोसंरचना के विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि नए उपकेंद्र के निर्माण से बिजली आपूर्ति में सुधार होगा तथा किसानों, घरेलू उपभोक्ताओं एवं छोटे व्यवसायों को सीधा लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता, संचरण एवं संधारण विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा एसडीएम संभाग के अधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की। अंत में अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्य को गुणवत्ता एवं समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराने का आश्वासन दिया गया।

शासकीय महाविद्यालय गोहपारू में बार-बार प्रभार परिवर्तन से शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य प्रभावित

नवभारत, गोहपारू। शासकीय महाविद्यालय गोहपारू में प्राचार्य प्रभार को लेकर बार-बार किए जा रहे प्रशासनिक परिवर्तनों के कारण महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। महाविद्यालय में लगातार बदलती व्यवस्थाओं से विद्यार्थियों, कर्मचारियों तथा शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। महाविद्यालय के कर्मचारियों एवं संबंधित लोगों का कहना है कि प्रभार परिवर्तन की पुनरावृत्ति से कार्य प्रणाली में अस्थिरता उत्पन्न हो रही है, जिससे नियमित प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है। पूर्व में वरिष्ठता के आधार पर जारी आदेशों के बावजूद पुन: प्रभार परिवर्तन किए जाने से

कर्मचारियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। महाविद्यालय से जुड़े लोगों ने उच्च शिक्षा विभाग एवं संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया है कि मामले में निष्पक्ष एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि महाविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण एवं प्रशासनिक व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो सके। साथ ही यह भी अपेक्षा की गई है कि किसी भी प्रकार के निर्णय में पारदर्शिता एवं नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे विद्यार्थियों और कर्मचारियों का हित सुरक्षित रह सके।

मदर्स डे पर मातृ शक्तियों का किया गया सम्मान

▶ 60 समाजसेवी महिलाएं हुईं सम्मानित

नवभारत,शहडोल। मदर्स डे के पावन अवसर पर योग एवं समाज सेवा समिति द्वारा गांधी स्टेडियम शहडोल में समाजसेवी महिला सम्मान समारोह एवं नि:शुल्क योग कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं, समाजसेवियों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समारोह के दौरान समाज सेवा, महिला उत्थान एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 60 महिलाओं को नारियल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृ शक्ति के सम्मान के साथ महिलाओं की सामाजिक भागीदारी और सेवा भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल, व्यापारी संघ अध्यक्ष लक्ष्मण गुप्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार दिनेश अग्रवाल उपस्थित रहे। वहीं चंदन बहरानी, डॉ. सविता थारवानी, मेघा पवार, कल्याणी बाजपेयी, प्रभा कुशवाहा, निभा गुप्ता, रंजना शुक्ला, डॉ. आभा श्रीवास्तव, गीता मिश्रा, आरती गुप्ता, आशा आवतानी, छाया गुप्ता, प्रियंका द्विवेदी, नीलम चतुर्वेदी एवं अन्नपूर्णा गोस्वामी सहित अनेक समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।कार्यक्रम में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए महिलाओं को स्वास्थ्य, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। अतिथियों ने कहा कि मातृ शक्ति समाज की सबसे बड़ी प्रेरणा है और महिलाओं का सम्मान पूरे समाज का सम्मान है। समिति अध्यक्ष वर्षा तनेजा ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित महिलाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी महिला सशक्तिकरण एवं समाज सेवा के ऐसे आयोजन निरंतर किए जाते रहेंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शासकीय भवनों में बनाए जा रहे रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

नवभारत,शहडोल। जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है और समस्त जीव-जगत के अस्तित्व का आधार भी। बिना जल के जीवन की कल्पना संभव नहीं है। इसलिए जल की प्रत्येक बूंद का महत्व समझते हुए उसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जागरूक होना आवश्यक है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डवींद लंकंअ के नेतृत्व में प्रदेशभर में 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियानसंचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत नवीन खेत तालाब, बोरी बंधान, रैन वाटर हार्वेस्टिंग सहित विभिन्न जल संरक्षण कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों से वर्षा ऋतु में होने वाले वर्षा जल का संचयन होगा, जिससे भू-जल स्तर में वृद्धि के साथ-साथ स्थानीय लोगों को फसल सिंचाई एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शासकीय भवनों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत जयसिंहनगर की ग्राम पंचायत पोड़ी कला के आंगनवाड़ी केंद्र अमरहा टोला, ग्राम पंचायत बड़काडोल, जनपद पंचायत गोहपारू की ग्राम पंचायत लफ्दा एवं देवरी तथा जनपद पंचायत बुढार की ग्राम पंचायत मलया सहित अन्य ग्राम पंचायतों में भी रैन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य पूर्ण किए गए हैं।

इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट में एसडीसीए और कोयलांचल क्लब का शानदार प्रदर्शन

नवभारत, शहडोल । संभागीय क्रिकेट संघ शहडोल द्वारा आयोजित दो दिवसीय इंटर क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ गांधी स्टेडियम एवं एमपीसीए ग्राउंड में किया गया। प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला एसडीसीए एवं एचवाई क्लब उमरिया के मध्य खेला गया, जिसमें एसडीसीए क्लब ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। वहीं दूसरा मुकाबला एसएनआईसीसी एवं स्वामी विवेकानंद एकेडमी बुढार के मध्य खेला गया, जिसमें बुढार की टीम ने जीत हासिल की।

एसडीसीए की एक पारी और 184 रन से बड़ी जीत

गांधी स्टेडियम में खेले गए दूसरे राउंड के मुकाबले में एसडीसीए और एसएनआईसीसी की टीमें आमने-सामने रहीं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एसएनआईसीसी की टीम पहली पारी में 144 रन पर सिमट गई। जवाबी पारी खेलने उतरी एसडीसीए की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 446 रन बनाए और पहली पारी में 304 रनों की बढ़त हासिल की। टीम की ओर से प्रज्ञा चतुर्वेदी ने शानदार 115 रन, अंकित सराफने 90 रन तथा अर्ष वर्मा ने 86 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। गेंदबाजी में आयांश विश्वकर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट हासिल किए। दूसरी पारी में एसएनआईसीसी की पूरी टीम 121 रन पर आउट हो गई और एसडीसीए ने यह मुकाबला एक पारी एवं 184 रन से अपने नाम कर लिया।

कोयलांचल क्रिकेट क्लब पाली ने जीता मैच

एमपीसीए ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में कोईलांचल क्रिकेट क्लब पाली और एकलव्य क्रिकेट अकादमी अनूपपुर की टीमें आमने-सामने रहीं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कोईलांचल क्रिकेट क्लब ने सभी विकेट खोकर 242 रन बनाए। जवाबी पारी में उतरी एकलव्य क्रिकेट अकादमी की टीम 180 रन पर सिमट गई। पहली पारी के आधार पर 60 रनों की बढ़त हासिल करते हुए कोईलांचल क्रिकेट क्लब पाली ने मुकाबले में जीत दर्ज की। दोनों मैदानों पर खेले गए मुकाबलों में निर्णायक की भूमिका यशवर्धन वैद्य, हेमंत सिंह, दलजीत सिंह, दीपक सिंह, श्रवण सिंह, संदीप सतनामी, पवन जिलानी एवं कृष्ण पाठक ने निभाई। टूर्नामेंट का अगला मुकाबला एसडीसीए (बी) एवं कोयलांचल क्रिकेट क्लब पाली के मध्य प्रात: 8:30 बजे से खेला जाएगा।

सड़क हादसे के बाद बुढार में चक्का जाम

▶ 9 नामजद समेत कई पर केस दर्ज

नवभारत, बुढ़ार। शहडोल जिले के बुढार थाना क्षेत्र में दो दिन पहले हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक मुकेश साहू की मौत के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने हंगामा करते हुए सड़क पर चक्का जाम कर दिया। इस दौरान शहडोल-बुढार हाईवे एनएच-43 करीब दो घंटे तक जाम रहा, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस के अनुसार मुकेश साहू बाइक से अपने गांव लालपुर जा रहे थे, तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा।

मामले में पुलिस ने चक्का जाम और शांति भंग करने के आरोप में 9 नामजद आरोपियों सहित अन्य लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। जिन लोगों पर केस दर्ज हुआ है उनमें विश्वनाथ उर्फ विस्सू साहू, दीपक ललन पाल, आयुष उर्फ आसू चंदेल, साहिल बारी, आकाश नापित, बिज्जू साहू, अंकुश साहू और सौरभ वर्मन शामिल हैं। सभी आरोपी लालपुर बुढार क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं।

इनका कहना है

कुछ लोगों ने कानून व्यवस्था को खराब करने और लोगों को उकसाने की कोशिश कर माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की जिनको चिन्हित कर वैधानिक नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी

विनय सिंह गहरवार थाना प्रभारी बुढार

प्रतियोगिता | पवन कुमार चमड़िया स्मृति पावरप्ले प्रीमियर लीग सीजन-1 का समापन, रोमांचक फाइनल में पावर प्ले-7 बनी विजेता

क्रिकेट का महाकुंभ बना श्रद्धा, संस्कृति और खेल भावना का अनुपम संगम

नवभारत, बुढ़ार। खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, और उनकी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और संस्कारों को पीढ़ियों तक जीवित रखने का सशक्त माध्यम है। इसी भावना को साकार करते हुए समाजसेवी स्वर्गीय पवन कुमार चमड़िया की पुण्य स्मृति एवं मातृ दिवस के पावन अवसर पर आयोजित चार दिवसीय भव्य टर्फ क्रिकेट प्रतियोगिता 'पावरप्ले प्रीमियर लीग सीजन-1' का रविवार देर रात उत्साह, उल्लास और भावनात्मक वातावरण के बीच शानदार समापन हुआ। होटल बिलासा इंटरनेशनल द्वारा आयोजित इस विराट क्रिकेट महोत्सव ने बुढ़ार-शहडोल अंचल में खेल संस्कृति की नई ऊर्जा का संचार किया। फ्लड लाइट की चकाचौंध, दर्शकों का उत्साह, खिलाड़ियों का जोश और खेल भावना से सराबोर यह आयोजन वास्तव में क्षेत्र के लिए अविस्मरणीय बन गया। पवन कुमार चमड़िया हमेशा समाजसेवा के प्रतीक थे। उन्होंने सदैव समाज के युवाओं को आगे बढ़ाने, सामाजिक सहयोग और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने का कार्य किया। उन्हीं के आदर्शों और स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया, जिसने खेल के माध्यम से समाज को एक नई दिशा देने का कार्य किया। प्रतियोगिता में बुढ़ार एवं शहडोल क्षेत्र की कुल 16 टीमों ने भाग लिया। चार दिनों तक चले रोमांचक मुकाबलों के बाद फाइनल में स्थानीय टीम पावर प्ले-7 और मजबूत दावेदार अभिषेक-7 आमने-सामने थीं। फाइनल मुकाबला इतना रोमांचकारी रहा कि अंतिम गेंद तक दर्शकों की सांसें थमी रहीं।

अभिषेक-7 के कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 8 ओवरों में चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। पहली पारी समाप्त होने के बाद ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो मुकाबला एकतरफा हो जाएगा। लेकिन क्रिकेट को अनिश्चितताओं का खेल यूं ही नहीं कहा जाता। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पावर प्ले-7 की शुरुआत बेहद खराब रही और शुरुआती ओवरों में ही तीन महत्वपूर्ण विकेट गिर गए। पूरे मैदान में तनावपूर्ण वातावरण बन गया। इसके बाद मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने संयम, धैर्य और साहस का अद्भुत परिचय देते हुए मैच को अंतिम ओवर तक पहुंचाया। आखिरी छह गेंदों में जीत के लिए 12 रन चाहिए थे। दर्शकों की निगाहें मैदान पर टिकी थीं और वातावरण रोमांच से भर उठा था। ऐसे दबावपूर्ण क्षणों में बल्लेबाजों ने साहसिक शॉट खेलते हुए अंतिम गेंद पर विजयी रन बनाकर पूरे मैदान को उत्सव में बदल दिया। जीत के साथ ही दर्शकों की तालियों और खिलाड़ियों के उत्साह से पूरा टर्फ गूंज उठा। फाइनल मुकाबले के नायक रहे राजा सिंघानिया, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन कर टीम को विजय दिलाई और मैन ऑफ द मैच के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का पुरस्कार भी अपने नाम किया। वहीं पूरे टूर्नामेंट में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अंकित यादव को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. पीयूष सिंह ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन केवल खेल प्रतियोगिताएं नहीं होते, बल्कि यह समाज को जोड़ने वाले उत्सव होते हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय पवन कुमार चमड़िया की स्मृति में आयोजित यह प्रतियोगिता युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का उत्कृष्ट प्रयास है।

अद्भुत था फाइनल का रोमांच

उन्होंने कहा- 'मैंने जीवन में अनेक क्रिकेट मुकाबले देखे हैं, लेकिन इस फाइनल का रोमांच अद्भुत था। पहली पारी के बाद जिस मुकाबले को लोग एकतरफा मान रहे थे, वह अंतिम गेंद तक सांसें रोक देने वाला संघर्ष बन गया। दोनों टीमों ने चैंपियन की तरह खेल दिखाया। यह आयोजन क्षेत्र में टर्फ क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है।' आयोजन समिति के प्रमुख एवं होटल बिलासा इंटरनेशनल के निदेशक राजेश चमड़िया ने सभी खिलाड़ियों, दर्शकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आयोजन स्वर्गीय पवन कुमार चमड़िया के आदर्शों और समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

उन्होंने कहा- 'यह केवल क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं, बल्कि परिवार, समाज और संस्कारों को जोड़ने वाला आयोजन है। मातृ दिवस के अवसर पर हम दुनिया की सभी माताओं के त्याग, ममता और समर्पण को नमन करते हैं। स्वर्गीय पवन कुमार चमड़िया जी एवं मातृशक्ति की स्मृति में यह आयोजन हर वर्ष और अधिक भव्य रूप में किया जाएगा।' समापन समारोह में कांग्रेस जिला अध्यक्ष अजय अवस्थी, वरिष्ठ नेता , सुनील गुड्डू खरे, प्रवीण सिंह, पुष्पेंद्र ताम्रकार, सौरभ जैन, अभिषेक जैन, जित्तू सिंह, सोनू आहूजा, हरनेक खनूजा सहित क्षेत्र की अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक हस्तियां उपस्थित रहीं।

योगेन्द्र प्रताप सिंह का निधन

नवभारत,धनपुरी। ग्राम हरदी के प्रतिष्ठित नागरिक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह के छोटे भाई योगेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ नान बाबा उम्र 59 वर्ष का 9 अप्रैल 2026 को प्रात: 7.30 बजे विद्युत करंट लग जाने से दुखद निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम हरदी में किया गया जिसमें सैकड़ों लोगों ने उपास्थित होकर नम आंखों से अंतिम बिदाई देते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। बताया गया है कि योगेन्द्र प्रताप सिंह 9 अप्रैल 2026 को प्रात: 7.30 बजे बोरिंग पंप चालू करने गये थे उसी समय बिजली के तार में दौड़ रहे करेन्ट की जद में आ गये तथा करंट का भारी झटका लगा। गंभीर अवस्था में उन्हें स्वास्थ्य केन्द्र बुढार लाया गया किन्तु गंभीर स्थिति होने के कारण उन्हें मेडिकल कालेज शहडोल रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के इलाज के बावजूद भी दुर्भाग्य से उन्हे वहां भी नही बचाया जा सका तथा उनका स्वर्गवास हो गया ।